हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 62 देहरादून, शनिवार, 26 अगस्त, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मुख्यमंत्री ने गोरखा समुदाय के लोगों को किया सम्मानित 3

राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उत्तराखण्ड के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार हर क्षेत्र में कार्य कर रही है। महिला सशक्तिकरण, रोजगार, वैलनेस, आयुर्वेद, आयुष, पर्यटन, इन्फ्रास्टक्चर के विकास, औद्यानिकी के क्षेत्र में तेजी से कार्य किये जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा केदार की धरती से कहा कि इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। इस दशक को उत्तराखण्ड का दशक बनाने की दिशा में सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। 2025 तक उत्तराखण्ड को देश का अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य में समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट लगभग तैयार हो चुका है। समिति ने विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 01 साल 03 माह में 02 लाख 35 हजार से अधिक लोगों के इसके लिए सुझाव लिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उत्तराखण्ड में हर स्थान एक नया डेस्टिनेशन है। राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में प्रबल संभावनाओं को देखते हुए अगले 25 सालों के प्लान पर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रदेश में सड़क, रेल एवं हवाई कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार हुआ है।

राज्य के पर्वतीय नगरों की धारण क्षमता का आकलन किया जा रहा है। गढ़वाल एवं कुमाँऊ मण्डल में एक-एक नये शहर बसाने के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है। राज्य सरकार इकोनॉमी और ईकोलॉजी में समन्वय के साथ आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाला राज्य है। आपदा की दृष्टि से भी संवेदनशील राज्य है। अभी मानसून सक्रिय है, अभी तक इस वर्ष अतिवृष्टि से राज्य में 1 हजार करोड़ से अधिक का नुकसान हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार से राज्य को पूरा सहयोग मिल रहा है। नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में अभी तक राज्य को केन्द्र से डेढ़ लाख करोड़ से अधिक की योजनाएं स्वीकृत हुई हैं। राज्य में पिछले साल जीएसटी में 25 प्रतिशत अधिक राजस्व प्राप्ति हुई। इस वर्ष भी अभी तक जीएसटी से राजस्व प्राप्ति की स्थिति अच्छी है। राज्य में सख्ती से अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। इसका उद्देश्य सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराना है।

वन विभाग की भूमि से 2700 एकड़ की भूमि अतिक्रमण से मुक्त की गई। राज्य में सख्त नकल विरोधी कानून बनाया गया है। नकल का अपराध काफी समय से चल रहा था। जन शिकायतों पर जब इसमें जाँच कराई गई तो इसमें सभी दोषियों पर सख्त कार्रवाई की गई। 80 से अधिक दोषियों को जेल भेजा गया। राज्य में नकल विरोधी कानून लागू होने के बाद अभी तक जो भी परीक्षाएं हुई हैं, सभी शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न सम्पन्न हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के बाद राज्य में तेजी से रिवर्स माइग्रेशन हुआ है। लोगों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं बनाई गई हैं।

किसानों को जल्द मुआवजा दिया जायेगा : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में भारतीय किसान यूनियन तोमर के अध्यक्ष संजीव तोमर के नेतृत्व में किसान यूनियन के प्रतिनिधिमण्डल ने भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जनपद हरिद्वार में अतिवृष्टि से हुए जल भराव के कारण फसलों को काफी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि अभी कुछ लोगों को मुआवजा नहीं मिल पाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है, उनको जल्द मुआवजा दिया जायेगा। उन्होंने अतिवृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का पूरा आकलन कर क्षतिपूर्ति करने के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के सभी हितों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। अतिवृष्टि से फसलों को हुई क्षति का पूरा आंकलन किया जा रहा है। केन्द्र सरकार को भी अतिवृष्टि से हुए नुकसान के लिए पत्र भेजा जा रहा है। केन्द्र सरकार की टीम द्वारा भी राज्य में हुए नुकसान का प्रारम्भिक तौर पर आकलन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है। राज्य में मिलेट मिशन पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। जैविक खेती को भी तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव विजय कुमार यादव, दीपेन्द्र चौधरी, किसान यूनियन प्रतिनिधि-मण्डल से पवन त्यागी, अजब सिंह, संदीप चौहान, विकेश वालियान, तालिब हसन एवं अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

महिलाओं की आर्थिकी बढ़ाने की दिशा में कार्य करें : झरना कमठान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,26 अगस्त , जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान की अध्यक्षता में उत्तराखण्ड ग्राम्य विकास समिति अन्तर्गत गठित ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परि-योजना (REAP) की जिला स्तरीय समन्वयन बैठक आहुत की गयी। बैठक में जिला स्तरीय विभिन्न रेखीय विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार परक प्रशिक्षण के साथ ही महिलाओं की आर्थिकी बढाने की दिशा में कार्य करें तथा जरूरतमंद महिलाओं कों समूह के माध्यम से जोड़े। निर्देशित किया कि स्थानीय उत्पादों को राज्य के ब्रांड हिलांस के माध्यम से बाजार में उतारें साथ ही उत्पादों की गुणवत्ता बनाये रखने तथ स्वंयसहायता समूहों को प्रशिक्षण प्रदान करें। उन्होंने बाजार मांग के अनुरूप उत्पाद बाजार में उतारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता एवं विशेषता का विभिन्न माध्यम से प्रचार-प्रसार करें ताकि उत्पादों का उचित बाजार मिल सके महिलाओं एवं ग्रामीण उद्यमियों की आर्थिकी मजबूत हों। उन्होंने महिलाओं को कपडे. ;जैसे- कुर्ता, शर्ट, आदिद्ध का प्रशिक्षण देने तथा वृहद स्तर पर इसकी युनिट स्थापित करने हेतु संभावना तलाशने तथा बेहतर पैकेजिंग आदि के सुझाव दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने जिला परियोजना प्रबंधक, देहरादून एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजना गतिविधियों के सुचारू रूप से

संचालन हेतु आपसी समन्वयन स्थापित करते हुए कार्य करें। उन्होंने बाजार की माँग के अनुरूप उत्पादों को तैयार करने तथा उद्यम स्थापना करने हेतु सुझाव दिया साथ ही उनके द्वारा ब्रांडिंग को और बेहतर बनाने एवं प्रमोशन करने के निर्देश दिए। महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता आदि को देखते हुए उन्हें नियमित बाजार उपलब्ध कराने एवं उनकी आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से परियोजना को विकास भवन सभागार अंतर्गत बनी दुकान को आवंटित करने हेतु कहा।

बैठक में जिला परियोजना प्रबंधक, रीप, देहरादून द्वारा परियोजना अन्तर्गत प्रस्तावित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 में परियोजना की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट का प्रस्तुती-करण किया गया। परियोजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में वर्तमान तक किये गये कार्यों की प्रगति एवं उपलब्धियों से अवगत कराया गया। चर्चा के क्रम में जिला परियोजना प्रबंधक द्वारा अवगत कराया गया कि परियोजना एवं रेखीय विभागों के साथ अभिसरण (Convergence) के माध्यम से प्रस्तावित गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जाना है। जिला परियोजना प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि परियोजना अंतर्गत समूह एवं संकुल स्तर पर विभिन्न उद्यमों को विभागों के साथ आपसी समन्वय एवं सहयोग से स्थापित किया जाना है, जिनका संचालन संकुल स्तरीय फेडरेशन के द्वारा किया जाएगा। जिससे महिलाओं की आय में वृद्धि होगी एवं उन्हें रोजगार भी प्राप्त होगा। साथ ही परियोजना अंतर्गत विभिन्न प्रशिक्षण प्रस्तावित हैं, जिन्हें विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पूर्ण किया जाना है। साथ ही वर्तमान तक इस वित्तीय वर्ष में पूर्ण किए गए प्रशिक्षणों से सम्बन्धित उद्यमों को स्थापित किया जाएगा।

बैठक में परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रम सिंह, मुख्य कृषि अधिकारी लतिका सिंह, मुख्य उद्यान अधिकारी डॉ. मीनाक्षी जोशी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विद्यासागर कापड़ी, जिला परियोजना प्रबन्धक, जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई यूजीवीएस-रीप कैलाश चन्द्र भट्ट, एन.आर.एल.एम., उपासक एवं अन्य रेखीय विभागों के अधिकारीगण एवं प्रतिनिधियों व जिला परियोजना प्रबंधक, देहरादून एवं समस्त रीप स्टॉफ उपस्थिति रहें।

क्या बीच में बंद कर सकते हैं अपनी LIC की पॉलिसी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अगस्त , आज बात बीमा की करेंगे , ऐसे सवालों के जवाब तलाशेंगे जो आपकी ज़ेहन में आते ज़रूर होंगे। क्योंकि अगर आप LIC पॉलिसी को समय से पहले पैसों की कमी या किसी और कारण से बंद कराना चाहते हैं, तो आपको ये जानना जरुरी है कि समय से पहले LIC पॉलिसी बंद कराने पर आपको कितना नुकसान मिलेगा और कैसे आप इसे बंद करा सकते हैं.

आजकल बाजार में कई निवेश ऑप्शन मौजूद हैं. इन्ही में से एक है LIC यानि लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया. लेकिन LIC की कई पॉलिसी लॉक इन पीरियड के साथ आती हैं. ऐसे में क्या आप अपनी पॉलिसी को बीच में बंद करा सकते हैं? अगर बंद कराते हैं तो आपको कितना पैसा मिलेगा और इससे क्या नुकसान होंगे. एक मीडिया रिपोर्ट में ऐसे ही सवालों का जवाब दिया गया है जो आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। आइये इन्ही सब मुद्दों के बारे में जानते हैं LIC पॉलिसी को बीच में रोकने का क्या है प्रोसेस...

सवालः कब बंद करा सकते हैं पॉलिसी?

जवाबः LIC पॉलिसी लेने के अगर 15 दिन में आप उसे बंद कराना चाहते हैं तो आप आसानी से बंद करा लेंगे. वहीं, अगर 15 दिन के ऊपर हो गया है तो आप 3 साल तक पॉलिसी बंद कराने पर आपको नुकसान हो सकता है.

सवालः 3 साल पहले बंद कराएंगे तो क्या होगा?

जवाबःअगर आप अपनी पॉलिसी को 3 साल से पहले बंद कराते हैं तो आपको कोई भी पैसा नहीं मिलेगा. यानी अपने जितना प्रीमियम भरा है आपका सारा पैसा डूब जायेगा.

सवालः फिर कब बंद करा सकते हैं?

जवाबःदरअसल, LIC की पॉलिसी में 3 साल का लॉक-इन पीरियड होता है. ऐसे में आप अपनी पॉलिसी को 3 साल बाद कभी भी बंद करा सकते हैं. इसके बाद बंद कराने पर आपसे कोई चार्ज नहीं लिया जायेगा. अगर आपने पूरे 3 साल LIC का प्रीमियम भरा है तभी आप उसे सरेंडर कर सकते है.

सवालः 3 साल बंद कराने पर कितना मिलेगा पैसा?

जवाबः LIC में काम करने वाली कर्मचारी कांता कंडारी के मुताबिक 3 साल बाद LIC पॉलिसी बंद कराने पर आपको आपके भरे गए प्रीमियम का 75 परसेंट पैसा वापस मिल जाता है. मैच्योरिटी से पहले पॉलिसी बंद कराने पर ग्राहकों को काफी नुकसान होता है. इसकी वैल्यू भी कम हो जाती है.मतलब आपने पहले साल जो प्रीमियम का पैसा भरा है वो भी जीरो ही माना जाएगा.

सवालः चाहिए होंगे कोई डॉक्यूमेंट?

जवाबः एलआईसी पॉलिसी का बांड दस्तावेज, समर्पण मूल्य भुगतान के लिए अनुरोध, एलआईसी सरेंडर फॉर्म- फॉर्म 5074, एलआईसी एनईएफटी फॉर्म, अपने बैंक खाते का विवरण, आधार कार्ड, पैन कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस जैसे मूल आईडी प्रमाण, बैंक का एक कैंसिल चेक, एलआईसी को बंद करने का कारण लिखित में प्रार्थना पत्र देना होगा.

पूर्व छात्र से 160 करोड़ रुपये का गुप्त दान देकर चौंका दिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अगस्त , आईआईटी-बॉम्बे को परिसर में एक हरित ऊर्जा और स्थिरता अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए एक पूर्व छात्र से 160 करोड़ रुपये का एक गुप्त दान प्राप्त हुआ है। इस मौके पर आईआईटी बॉम्बे के निदेशक सुभासिस चौधरी ने मंदिरों का जिक्र किया जहां लोग दानपात्र में दान देते हैं। उन्होंने कहा कि यह सबसे दुर्लभ अवसरों में से एक है जब हमें एक अनाम दान प्राप्त हुआ है। हालांकि यह अमेरिका में आम है। मुझे नहीं लगता कि हाल के दिनों में भारत में किसी भी विश्वविद्यालय को इतना बड़ा निजी उपहार मिला है, जहां दाता बिना चेहरे के रहना चाहता है।

एक दशक से अधिक समय पहले, जब इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी ने आईआईटी-बी को किश्तों में 85 करोड़ रुपये उपहार में दिए थे, तो यह भी गुमनाम था।

अपने अल्मा मेटर में उनका योगदान बाद में सार्वजनिक हो गया। जून 2023 में, उन्होंने 315 करोड़ रुपये का दान दिया, जिससे आईआईटी-बी को उनका कुल उपहार 400 करोड़ रुपये हो गया। यह आज तक भारत में किसी संस्थान द्वारा प्राप्त सबसे बड़ा व्यक्तिगत दान है।

राशि का बड़ा हिस्सा अनुसंधान के लिए अलग रखा जाएगा

यह दान ऐसे समय में आया है जब संस्थान बजट में कटौती से प्रभावित है और विस्तार के लिए उच्च शिक्षा वित्तीय एजेंसी से ऋण ले रहा है। दान की गई धनराशि परिसर में एक हरित ऊर्जा और स्थिरता अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की दिशा में जाएगी। इसका एक हिस्सा नए बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इस राशि का बड़ा हिस्सा अनुसंधान के लिए अलग रखा जाएगा।

सही उद्देश्य के लिए दान का किया जाएगा उपयोग

जीईएसआर हब बैटरी प्रौद्योगिकियों, सौर फोटोवोल्टिक, जैव ईंधन, स्वच्छ-वायु विज्ञान, बाढ़ पूर्वानुमान और कार्बन कैप्चर सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अनुसंधान की सुविधा प्रदान करेगा। आईआईटी-बी के चौधरी ने कहा कि दानदाताओं को पता है कि जब वे आईआईटी-बी को धन देंगे, तो इसका कुशलता से और सही उद्देश्य के लिए उपयोग किया जाएगा।

दो बार बोर्ड परीक्षा से क्या बदल जाएगा CBSE और ICSE का सिलेबस ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अगस्त , नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क के हिसाब से अब साल में दो बार बोर्ड परीक्षा होगी. उसमें भी जिस परीक्षा में सबसे ज्यादा नंबर होंगे वही रिजल्ट में माने जाएंगे. अगर कोई छात्र बोर्ड परीक्षा में एक बार फेल होता है तो वह उसी वर्ष दूसरा एग्जाम देकर पास हो सकेगा. हालांकि, जिन छात्रों का पहले साल स्कोर कम होगा, वे दूसरा एग्जाम देकर अपने अंक बढ़वा सकेंगे.नए सिलेबस के मुताबिक 11वीं-12वीं में दो भाषाओं को पढ़ाया जाएगा. इसमें से एक भाषा ऐसी होनी जरूरी है, जो भारतीय हो. सीबीएसई समेत तमाम केंद्रीय बोर्ड और राज्य के शिक्षा बोर्ड जल्द ही नए सिलेबस के हिसाब से दिशा निर्देश जारी करेंगे. ऐसे में एक सवाल सामने आता है कि क्या दो बार बोर्ड परीक्षा से सिलेबस भी बदल जाएगा? आइए इसके बारे में विस्तार से जानें.

क्या है शिक्षकों की राय ?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा था कि एनसीईआरटी अगले साल तक नए पाठ्यक्रम के हिसाब से किताबें भी पब्लिश कर देगा तो शैक्षिक सत्र 2024-25 से नई व्यवस्था लागू हो जाएगी. नए पाठ्यक्रम को लेकर प्रिंसिपल, शिक्षक, अभिभावक और छात्र सबके मन में कई सवाल हैं.टीचर कहते हैं कि नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क के मुताबिक दो बार बोर्ड परीक्षा होने के बाद बच्चों का पढ़ाई का बोझ कम होगा. जिस परीक्षा में अच्छे नंबर आएंगे, वही नंबर माने जाएंगे, इसलिए इसके बाद अब नंबरों को लेकर बच्चों के दिमाग में जो तनाव रहता था, वह भी कम हो जाएगा. मान लिया एक बार किसी कारणवश अगर बच्चे की परीक्षा अच्छी नहीं हुई तो दूसरी परीक्षा में अच्छी तैयारी कर लेगा. ये अच्छी व्यवस्था है.

कंफ्यूज हैं पैरेंट्स

पैरेंट्स एसोसिएशन का कहना है कि दो बार बोर्ड परीक्षा की बात तो बहुत अच्छी है, लेकिन इसको लागू करने में तमाम दिक्कतें होती हैं. कोविड के दौरान भी 12वीं में दो बार बोर्ड परीक्षा हुई थी. इसमें पहली बोर्ड परीक्षा के लिए तो समय मिल जाता है लेकिन जब दूसरी परीक्षा होती है तो उसमें समय कम दिया जाता है.दूसरा परसेंटाइल को लेकर भी बच्चों को पूरी जानकारी दी जानी चाहिए. जो बदलाव हो रहे हैं उसको लेकर बहुत सारा कंफ्यूजन है जल्दी बोर्ड गाइडलाइंस जारी करें ताकि स्पष्टता हो सके. सरकार को चाहिए कि कमेटी में पेरेंट्स को भी रखा जाना चाहिए. उनकी राय बहुत जरूरी होती है.

NCERT का क्या है प्लान ?

एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक का कहना है कि यह बहुत ही अच्छी पहल है. इससे बच्चों पर पढ़ाई का बोझ और तनाव काफी कम होगा तो नवाचार अपने आप आएगा. बाकी मुझे लगता है कि सीबीएसई दो से तीन दिन में गाइडलाइंस जारी कर देगा, तब स्पष्टता हो जाएगी कि क्या विषयवार चुनकर दो बार एग्जाम दे सकते हैं? जैसे किसी बच्चे के दो विषय की तैयारी नहीं हो पाई तो क्या उसका एग्जाम वो अगली बार दे सकता है क्या?

मुख्यमंत्री ने गोरखा समुदाय के लोगों को किया सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीद दुर्गा मल्ल पार्क में आजाद हिंद फौज के शहीद मेजर दुर्गा मल्ल की प्रतिमा एवं चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले गोरखा समुदाय के लोगों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्प आयु में ही मेजर दुर्गा मल्ल ने देश की रक्षा के लिए अपने सभी सुख, सुविधाओं को त्याग कर अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ने का जो दृढ़ साहस दिखाया था, उसे हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित होकर अपना सर्वस्व देश को अर्पण कर दिया। 1931 में दुर्गा मल्ल जी गोरखा राइफल्स में भर्ती हुए और यहीं से उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध में भी हिस्सा लिया। 1942 में वे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के आह्वान पर आजाद हिन्द फौज में भर्ती हो गये। 27 मार्च 1944 में अंग्रेज सैनिकों द्वारा दुर्गा

मल्ल जी को युद्धबंदी बना लिया गया और सैनिक अदालत द्वारा उन्हें फांसी पर चढ़ाने का हुक्म दिया गया। 25 अगस्त 1944 को दिल्ली की तिहाड़ जेल में स्वाधीनता के इस दीवाने ने हंसते हंसते फांसी का फन्दा अपने गले में स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि एवं वीरों की भूमि है, बलिदानियों की भूमि है। यह बात हमारे सैनिकों ने आज तक हुए सभी युद्धों में सिद्ध भी की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से सेना ना केवल पहले से और अधिक सक्षम और सशक्त हो रही है बल्कि उसकी यश और कीर्ति पताका चारों ओर फहरा रही है। केन्द्र सरकार जहां एक ओर सेना के आधुनिकीकरण पर बल दे रही है, वहीं दूसरी ओर सैनिकों और उनके परिवारों को मिल रही सुख-सुविधाओं का भी ख्याल रख रही हैं। प्रधानमंत्री जी निरंतर सैनिकों के साहस और मनोबल को बढ़ा रहे है। राज्य सरकार भी नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में सैनिकों एवं उनके परिवार को मिलने वाली सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। सैनिकों या उनके आश्रितों को मिलने वाली अनुदान राशि बढ़ाने से लेकर शहीद सैनिकों के आश्रितों को राज्य सरकार के अधीन आने वाली नौकरियों में वरीयता के आधार पर नियुक्ति देने का निर्णय भी इसी आशय से राज्य सरकार ने लिया है।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शहीद मेजर दुर्गा मल्ल को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्हें आजाद हिन्द फौज में गुप्तचर का कार्य दिया गया था। उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों को कर्तव्यनिष्ठा से पूरा किया और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। हम सबको उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। श्री गणेश जोशी ने कहा कि गुनियालगांव, देहरादून में हमारे शहीद सैनिकों की स्मृति में भव्य सैन्य धाम का निर्माण किया जा रहा है। इस पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

चंद्रयान3 की सफलता पर खुशी जताई

नई टिहरी। देवप्रयाग में खगोलीय शोध एवं अध्ययन से जुड़े शोध केंद्र नक्षत्र वेधशाला में चंद्रयान तीन की सफलता पर हर्ष जताया गया। केंद्र संचालक आचार्य भास्कर जोशी ने कहा कि भारत भूमि पर प्राचीन काल से खगोलीय गतिविधियों का निरीक्षण और शोध होता रहा है। देवप्रयाग में वर्ष 1946 में खगोलविद् आचार्य चक्रधर जोशी द्वारा स्थापित नक्षत्र वेधशाला में अनेक देशों की बहुमूल्य टेलीस्कोप आकाशीय निरीक्षण हेतु रखे गए हैं। शोध केंद्र में चन्द्रमा के इतिहास से जुड़ी सामग्री विशेष तौर पर संग्रहित हैं, जिसमें जुलाई 1969 में मानव के पहली बार चन्द्रमा पर पदापर्ण करने संबंधी समाचार पत्र भी इसमें शामिल हैं। मंगल ग्रह पर शोध हेतु 1996 में नासा द्वारा भेजे गए पाथफाइंडर रोवर निर्माण से जुड़े विदेशी वैज्ञानिक आंद्रे भी इस केंद्र का कई बार भ्रमण कर चुके हैं, अनेक प्रसिद्ध लोगों ने इस केंद्र में स्थापित जर्मन, इंग्लैंड, जापान में निर्मित टेलीस्कोप से चंद्रमा सहित अन्य ग्रह और तारों का निरीक्षण भी किया हैं। जर्मनी में 1930 में निर्मित विशेष लेंस के टेलिस्कोप से आज भी यहां से चन्द्रमा को काफी निकट से देखा जा सकता है। बताया विश्व में ऐसे टेलिस्कोप अब छह ही शेष हैं। आचार्य जोशी ने बताया आज भी जो लोग चन्द्रमा को निकट से देखने की चाह रखते हैं, उनके लिए नक्षत्र वेधशाला केंद्र में विशेष व्यवस्था है। इसरो की इस महान उपलब्धि के बाद 1946 में स्थापित नक्षत्र वेधशाला जैसे खगोल केंद्रो से चंद्रमा, ग्रह, तारों आदि को देखने के साथ जानकारी लेने की आम लोगों में रुचि बढने की आशा है।

शहीद दुर्गा मल्ल की 79वीं पुण्यतिथि पर हुआ कार्यक्रम

ऋषिकेश। हेल्प क्रॉस ट्रस्ट और वीर गोरखा कल्याण समिति ने शहीद दुर्गा मल्ल की 79वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में शहीद को श्रद्धांजलि दी गई। वक्ताओं ने शहीद दुर्गा मल्ल से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। शुक्रवार को नगर पालिका डोईवाला परिसर में हेल्प क्रॉस ट्रस्ट एवं वीर गोरखा कल्याण समिति ने शहीद मेजर दुर्गा मल्ल के बलिदान पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद नगर पालिका परिसर से शहीद मेजर दुर्गा मल्ल चौक तक जुलूस निकाला गया और वहां लगी नवनिर्मित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। हेल्प क्रॉस ट्रस्ट के संस्थापक सचिव विशाल थापा ने शहीद दुर्गा मल्ल के जीवने बारे में बताया। कहा कि भारत माता के सभी शहीदों को ससम्मान चिन्हित किया जाना चाहिए व उनके बलिदानों को सदैव स्मरण रखना चाहिए। वीर गोरखा कल्याण समिति के अध्यक्ष कमल थापा ने कहा कि अमर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल ने इस क्षेत्र की धरती पर जन्म लेकर हमें गौरवान्वित किया। हमें इस महान बलिदानी के त्याग को हमेशा स्मरण करते रहना चाहिए। उन्होंने जौलीग्रांट एयरपोर्ट का नाम बदलकर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल के नाम पर करने की मांग की। मौके पर पालिकाध्यक्ष सुमित्रा मनवाल, ईओ उत्तम सिंह नेगी, वीर गोरखा कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष श्रवण सिंह, करण बोहरा, भाजपा जिला महामंत्री राजेंद्र तडियाल, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी, पूर्व ब्लाक प्रमुख नगीना रानी, ईश्वर चंद्र अग्रवाल, रविंद्र बेलवाल, मनमोहन नौटियाल, पुरुषोत्तम डोभाल, ईश्वर रौथान, विनीत मनवाल, सभासद गौरव मल्होत्रा, संजय खत्री, अमित कुमार, वर्षा वर्मा, अल्पना प्रजापति, कुलदीप खत्री, पंडित शाली ग्राम शास्त्री, दीपक थापा, गंगा शाही, उमेश, ज्योति राणा, चंद्रकला भंडारी, दिल बहादुर खत्री आदि उपस्थित रहे।

महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद को मिलेगा बढ़ावा

रुद्रप्रयाग। महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए जा रहे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और बेहतर बाजार दिलाने के लिए मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर जनपद के सभी ब्लॉकों में गुरुवार से 28 अगस्त तक उनके द्वारा तैयार किए गए उत्पादों के स्टॉल लगाए जा रहे हैं।

जखोली के खंड विकास अधिकारी दिनेश मैठाणी ने बताया कि योजना में जय नगेला देवता ग्राम कोटी, नागराजा स्वयं सहायता समूह ग्राम कपणियां, घंडियाल देवता कृषि उत्पादक समूह ग्राम कपणियां, राजराजेश्वरी स्वयं सहायता समूह ग्राम कपणियां, उन्नति स्वयं सहायता समूह ग्राम कपणियां, भांसार पुनर्गठन समूह ग्राम कपणियां तथा लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह ग्राम कपणियां ने भाग लिया। खंड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि प्रवीण भट्ट ने बताया कि महिलाओं द्वारा केदारनाथ मंदिर, लोकल दाले, हर्बल धूपबत्ती, जूट बैग व राखियों की प्रदर्शनी व विक्रय किया गया। इस मौके पर श्री केदार बद्री स्वयं सहायता समूह, झाली स्वयं सहायता समूह, क्षेत्रपाल, उज्जवल, जय मां भगवती तथा अनुष्का स्वयं सहायता समूह की महिलाएं शामिल रहीं। खंड विकास अधिकारी ऊखीमठ सूर्य प्रकाश शाह ने बताा कि मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना में स्वयं सहायता समूह दुर्गा मदमहेश्वर, सिंगलास मनसूना, हिमालय पाली, तुंगेश्वर दैड़ा तथा सरस्वती स्वयं सहायता समूह करोखी की महिलाओं ने प्रतिभाग किया। सभी ब्लॉकों में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों की सराहना की गई।

किसानों को समितियों से नहीं मिल रही खाद

हरिद्वार। पथरी क्षेत्र के गांव में किसानों को सहकारी समितियों से यूरिया खाद नहीं मिल पा रही है। किसानों को निजी दुकानों से महंगा खाद उठाकर अपनी जरूरतों को पूरा करना पड़ रहा है। गांव बादशाहपुर, कटारपुर, पथरी, अलावलपुर, एक्कड़ कलां, रानीमाजरा स्थित अन्य सहकारी समितियों व खाद गोदाम पर यूरिया खाद नहीं है। जिससे चलते लगभग चालीस गांवों के किसानों को गन्ने की फसल में यूरिया खाद डालने से वंचित रहना पड़ रहा है। किसान मनोज, प्रमोद, अरविन्द, सलीम आदि किसानों का कहना है कि इन दिनों गन्ने की फसल में यूरिया खाद की जरूरत है। पिछले एक सप्ताह से सहकारी समिति व उनसे संबंधित खाद गोदाम पर यूरिया खाद उपलब्ध नहीं है। किसान यूरिया खाद के लिए सहकारी समितियों व उनके खाद गोदामों के चक्कर काटने को मजबूर है। रहमान, निसार, बबलू, परवीन कुमार, जितेंद्र, अशोक, हरपाल, अजय, रामलाल आदि किसानों का कहना है कि जब भी फसलों में खाद की जरूरत होती है तो सहकारी समितियों पर खाद नहीं मिलता है। गन्ने की फसल में समय पर यूरिया खाद नहीं डलने से इसका असर उत्पादन पर पड़ता है। किसानों ने सहकारिता विभाग के अधिकारियों से सहकारी समितियों व खाद गोदामों पर जल्द यूरिया खाद उपलब्ध कराने की मांग की है। जिला सहायक निबंधक पुष्कर सिंह पोखरियाल का कहना है कि जल्द सहकारी समितियों और खाद गोदामों पर यूरिया खाद पहुंच जाएगा।

हिन्दी प्रोत्साहन समिति की प्रदेश कार्यसमिति का गठन

हरिद्वार। हिन्दी प्रोत्साहन समिति (उत्तर प्रदेश) की ओर से डॉ. पंकज कौशिक को उत्तराखण्ड प्रदेश का अध्यक्ष मनोनीत किया है। डॉ. कौशिक ने हिन्दी राष्ट्र भाषा को पल्लवित करने के लिए प्रदेश कार्यसमिति का गठन करते हुए चेतन ज्योति आश्रम के अध्यक्ष स्वामी ऋषिश्वरानन्द, बाबा हठयोगी, अधीर कौशिक, वैद्य डॉ. एमआर शर्मा, प्रो. श्रवण कुमार शर्मा, प्रो. दिनेश चन्द्र भट्ट, प्रो. दिनेशचन्द्र शास्त्री, डॉ. सुनील बत्रा, डॉ. दीनानाथ शर्मा, डॉ. विजेन्द्र शास्त्री को समिति का संरक्षक मनोनीत किया। जबकि डॉ. विनय सेठी, मुदित अग्रवाल, अश्वनी अरोड़ा, अमित शर्मा को उपाध्यक्ष, डॉ. सिद्धार्थ चक्रपाणी को सहसंयोजक, हेमन्त सिंह नेगी को कोषाध्यक्ष, कुलभूषण शर्मा को महामंत्री, प्रकाशचन्द्र तिवाड़ी को सह मंत्री, शिवांग अग्रवाल व जितेन्द्र कोरी को प्रचार मंत्री तथा डॉ. सुशील उपाध्याय, डॉ. अजीत सिंह तोमर, डॉ. राकेश भुटियानी, डॉ. ऊधम सिंह, प्रमोद कुमार, अनिल अरोड़ा को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मनोनीत किया है।

दिव्य आत्मा थे ब्रह्मलीन महंत प्रेमदास: श्रीमहंत रविंद्रपुरी

हरिद्वार। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष और श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत प्रेमदास महाराज दिव्य आत्मा थे। धर्म शास्त्रों का उनका ज्ञान विलक्षण था। नीलेश्वर महादेव मंदिर के ब्रह्मलीन महंत प्रेमदास महाराज को सभी अखाड़ों के संतों ने श्रद्धांजलि दी। उनके शिष्य हरिदास को तिलक, चादर देकर मंदिर का नया महंत नियुक्त किया।

लोकतंत्र में युवा मतदाताओं की भूमिका के बारे में बताया

रूड़की। स्वीप कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ.सुनीता कुमारी ने कहा कि जब तक युवा मतदाता अपने संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों का प्रयोग समझदारी से नहीं करेगा, तब तक राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। उन्होंने युवाओं से मतदान के प्रति सजग रहने की अपील की। उन्होंने बीएसएमपीजी कालेज में लोकतंत्र में युवा मतदाता की भूमिका विषय पर एक संवाद कार्यक्रम यह बात कही। मुख्य वक्ता डॉ. शिखा जैन ने छात्र-छात्राओं को उनकी सजगता, जागरूकता और उनके मत के अधिकार के विषय में बताया। प्राचार्य डॉ.गौतमवीर ने कहा कि युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक और प्रेरित करने के लिए निर्वाचन आयोग की ओर से जो यह अभियान चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि भावी मतदाता मतदान की प्रक्रिया में अवश्य हिस्सा लें और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

नारसन बॉर्डर के पास से अवैध कब्जे हटाए

रुड़की। नेशनल हाईवे प्राधिकरण की टीम ने बॉर्डर पर हाईवे किनारे प्राधिकरण की भूमि को कब्जामुक्त कराया। कुछ अवैध कब्जों को टीम को हटाना पड़ा। कुछ लोगों ने कब्जे हटाने के लिए एक दिन की मोहलत मांगी है। दिल्ली की ओर से उत्तराखंड आने वाले हाईवे पर नारसन बॉर्डर के पास कुछ लोगों ने हाईवे द्वारा अधिकृत की गई भूमि पर अवैध कब्जे कर ढाबा आदि कारोबार के लिए टीन शेड आदि डाल दिए थे।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा ने शिवालिक मंडल में चलाया वोटर चेतना अभियान

विकासनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश भर में वोटर चेतना महाभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत शुक्रवार को विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने शिवालिक मंडल में जन जागरण अभियान का शुभारंभ किया। जिसका उद्देश्य समाज के उन नागरिकों को मतदाता बनाने में मदद करना है जो 18 वर्ष से अधिक आयु होने के बाद भी अभी तक अपना वोटर कार्ड नहीं बना पाए हैं। अभियान के तहत सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने शिवालिक नगर मंडल के बूथ संख्या 186 पीतांबरपुर में स्थानीय बीएलओ एवं कार्यकर्ताओं के साथ घर-घर जाकर नव मतदाता बनाने के लिए जन जागरण अभियान चलाया। इस दौरान विधायक ने घर-घर संपर्क कर बीएलओ के माध्यम से फॉर्म भरवाकर नव मतदाता बनाने में लोगों कि सहायता की। विधायक ने कहा 18 वर्ष से अधिक उम्र के प्रत्येक नागरिक को अपना वोटर कार्ड बनाना चाहिए। कहा बड़ी संख्या में लोगो को आवश्यक जानकारी न होने पर वे अपना वोटर कार्ड नहीं बनवा पाते है, इसीलिए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि ऐसे लोगो की मदद कर उनका वोटर कार्ड बनवाने में सहायक बनें और वोटर चेतना अभियान का हिस्सा बने नव मतदाता बनाने में जनता की सहायता करें। इस दौरान मंडल अध्यक्ष दर्शन सिंह रावत, बीएलओ मंकुमारी, सरोज, कोषाध्यक्ष आनंद गडिया, बुद्धिवल्लभ जोशी, अंजु गडिया, भागवत सिंह, राधा देवी आदि मौजूद रहे।

अमर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल को श्रद्धांजलि अर्पित की

विकासनगर। अमर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल 79वें बलिदान दिवस पर शुक्रवार को गोर्खाली सुधार सभा के द्वारा उन्हें याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही उनके जीवन परिचय पर भी प्रकाश डाला गया। शाखा अध्यक्ष जोगेन्द्र शाह ने शहीद की संक्षिप्त जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मात्र 18 वर्ष की आयु में दुर्गा मल्ल 2/1गोरखा राइफल्स में भर्ती हो गये थे। अप्रैल 1941 को दुर्गा मल्ल की टुकड़ी सिकंदराबाद पहुंची, जहां से उन्हें विदेश रवाना होना था। अपने सैनिक धर्म को निभाते हुए बटालियन के साथ 23 अगस्त 1941 को मलाया रवाना हुए। 8 दिसंबर 1941 को मित्र देशों पर जापान के आक्रमण के बाद युद्ध की घोषणा हो गई थी। इसके परिणाम स्वरूप जापान की मदद से एक सितंबर 1942 को आजाद हिन्द फौज का गठन हुआ। इसमें दुर्गा मल्ल ने सराहनीय भूमिका निभाई। इसके लिए दुर्गा मल्ल को प्रोन्नत कर मेजर बना दिया गया। उन्होंने युवाओं को आजाद हिन्द फौज में शामिल करने में बड़ा योगदान दिया। बाद में गुप्तचर शाखा का महत्वपूर्ण कार्य दुर्गा मल्ल को सौंपा गया। 27 मार्च 1944 को महत्वपूर्ण सूचनाएं एकत्र करते समय शत्रु सेना ने मणिपुर के कोहिमा के पास उखरूल में उन्हें पकड़ लिया गया।

क्या आप जानते हैं कितनी खानी चाहिए रोटियां ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अगस्त , रोटी में भरपूर मात्रा में कैल्शियम और प्रोटीन पाया जाता है. इसमें और भी ऐसे कई पोषक तत्व होते हैं जो शरीर की ऊर्जा को बनाए रखते हैं और व्यक्ति के शरीर को स्वस्थ रखते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि दिन में कितनी रोटियां खानी चाहिए.गेहूं की रोटी हमारे भोजन का अहम हिस्सा मानी जाती है. गेहूं की रोटी में कैल्शियम और प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है. इसके अलावा, गेहूं की रोटी में कई सारे न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर में ऊर्जा बनाए रखते हैं. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दिन में कितनी रोटियां खानी चाहिए.वैसे तो बाजरा और मक्के की रोटी खाई जाती है लेकिन भारतीय घरों में ज्यादातर गेहूं की रोटी खाने का ही चलन है. इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि दिन में कितनी रोटी खानी चाहिए और महीने भर गेहूं की रोटी छोड़ने से आपके शरीर पर क्या प्रभाव पड़ेगा. आइए जानते हैं...

कितनी खाएं गेहूं की रोटियां

आमतौर पर गेहूं के आटे से बनीं एक रोटी में करीब 120 कैलोरी होती है. ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट की कहना है कि दिन के समय में यानी सुबह महिलाओं को सिर्फ दो और पुरुषों को तीन रोटी खानी चाहिए. वहीं, डिनर के वक्त आप अपनी जरूरत के हिसाब से रोटियां खा सकते हैं. हालांकि 3 या 4 से ज्यादा रोटियां पचने में बड़ी समस्याएं आ सकती है.

अगर 1 महीने रोटी न खाएं ?

क्या आपने कभी सोचा कि अगर एक महीने गेहूं की रोटी न खाएं तो शरीर में क्या बदलाव होंगे? हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो ऐसा संभव नहीं है कि आप पूरी तरह से रोटी खाना छोड़ दें. हालांकि, आप रोटी के इनटेको थोड़ा कम जरूर कर सकते हैं. जो लोग वेट लॉस जर्नी पर हैं, वह रोटी की जगह हरी सब्जियों का सलाद खा सकते हैं. बता दें कि गेहूं की रोटी खाने से शरीर में कार्बोहा-इड्रेट और ग्लूटेन की मात्रा ज्यादा बढ़ने से फैट जमा होने लगता हैं.

साभार - सो.मी.

इसके अलावा, गेहूं की रोटी को ज्यादा खाने से ब्लड शुगर लेवल बढ़ता है. गेहूं में कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है. जिस वजह से ब्लड प्रेशर बढ़ने की समस्या हो सकती है. चूंकि रोटी शरीर को ऊर्जा देती है, इसलिए इसे पूरी तरह से छोड़ने की बजाय कम किया जा सकता है.

आयकर विभाग ने उठाया बड़ा कदम, शुरू किया ये काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अगस्त , आयकर विभाग ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि एडवांस रूलिंग बोर्ड दिल्ली और मुंबई में चालू हो गया है। इससे पहले सितंबर 2021 में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने एडवांस रूलिंग के लिए तीन बोर्ड का गठन किया था। इसके अलावा, ई-एडवांस रूलिंग की योजना अग्रिम रूलिंग की पूरी प्रक्रिया को न्यूनतम इंटरफ़ेस के साथ बनाने और अधिक दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। CBDT के अनुसार, इन बोर्डों ने ई-मेल-आधारित प्रक्रियाओं और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई करना शुरू कर दिया है।

क्या है इसका फायदा

एक अनिवासी निवेशक भारत में निवेश करने से पहले ही आयकर के प्रति अपनी देनदारी पर निश्चितता प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा, यहां तक कि एक निवासी यूनिट भी लेनदेन की करदेयता पर

एक निर्णय प्राप्त कर सकती है और लंबे समय तक चलने वाली मुकदमेबाजी से बच सकती है।

दरअसल यह योजना एक निवासी करदाता के लिए भी उपलब्ध है, जो एक या अधिक लेनदेन से उत्पन्न होने वाली अपनी कर देयता के संबंध में अग्रिम निर्णय लेने की मांग कर रही है। कुल मिलाकर 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक राशि पर। सार्वजनिक क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी आयकर प्राधिकरण या अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष लंबित तथ्यों या कानून के प्रश्नों पर अग्रिम निर्णय प्राप्त करने का लाभ उठा सकते हैं।

नॉएडा एयरपोर्ट से कब से शुरू होगी उड़ान? ये है अपडेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अगस्त , दिल्ली एयरपोर्ट से 150 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित गौतमबुद्धनगर के जेवर इलाके में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को लेकर एक बड़ी खबर आ रही है। मिली ताजा जानकारी के अनुसार, नोएडा इंटरने-शनल एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य प्रगति पर है और इसका ट्रायल दिसंबर शुरू होने की बात सामने आ रही है।

अगले वर्ष शुरू हो सकती है उड़ान

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए रनवे करीब-करीब तैयार हो गया है और इसका काम अंतिम चरण में चल रहा है। माना जा रहा है कि जनवरी, 2023 में इस रनवे से हवाई उड़ान शुरू हो जाएगी। इससे पहले इसी साल दिसंबर में रनवे पर ट्रायल के लिए इसे डीजीसीए को सौंपा जा सकता है। ट्रायल रन सफल रन सफल रहने की रिपोर्ट के बाद इस पर हवाई उड़ाने की हरी झंडी मिल सकती है।

साभार - सो.मी.

24 घंटे चल रहा काम

मिली जानकारी के अनुसार, नोएडा इंट-रनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण के लिए 24 घंटे काम चल रहा है। यह भी पता चला है कि काम में और तेजी आए, इसके लिए 8000 कामगार और लाए जाएंगे। वर्तमान में इस एयरपोर्ट के निर्माण में 6000 लोग 24 घंटे शिफ्ट में काम कर रहे हैं, क्योंकि एयरपोर्ट का काम तय समय पर पूरा करने की चुनौती है। अगर ऐसा नहीं किया तो निर्माणाधीन कंपनी पर जुर्माना लगाने का भी प्रावधान किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

नगर पंचायत कीर्तिनगर का विस्तार होने से लोगों में खुशी

श्रीनगर गढ़वाल। कीर्तिनगर के जाखणी मांडाकुटीसैंण को नगर पंचायत कीर्तिनगर में शामिल करने के लिए कैबिनेट में प्रस्ताव पारित किए जाने पर लोगों ने खुशी व्यक्त की। साथ ही धामी सरकार का आभार व्यक्त कर मिष्ठान वितरण किया। जाखणी-मांडाकुटीसैंण के ग्रामीण नगर पंचायत में शामिल होने के लिए लंबे समय से मांग कर रहे थे। ग्रामीणों की मांग पर नगर पंचायत के बोर्ड प्रस्ताव पर उत्तराखंड सरकार ने सीमा विस्तार के लिए कैबिनेट में प्रस्ताव पारित किया है। नगर पंचायत कीर्तिनगर का गठन सन 1950 में हुआ था। प्रथम बार नगर पंचायत का सीमा विस्तार 2017 में हुआ था, जिसमें जाखणी गांव को सम्मिलित किया गया। लेकिन नगर पंचायत क्षेत्रांतर्गत सीमा से लगा जाखणी के (मांडाकुटी सैण) के 32 परिवार छूट गए थे। सीमा विस्तार के लिए ग्रामीण बार-बार मांग कर रहे थे। नगर पंचायत अध्यक्ष कैलाशी जाखी ने बताया कि वर्ष 2019 में वार्ड 3 जाखणी के (मंडाकुटी सैण) को नगर पंचायत में सम्मिलित करने का प्रस्ताव बोर्ड को स्वीकृति दी थी। उसी प्रस्ताव पर धामी सरकार के कैबिनेट में जाखणी (मांडाकुटी सैण) संबंधित 32 परिवारों को सम्मिलित करने का प्रस्ताव कैबिनेट में पारित किया है। खुशी जताने वालों ग्रामीण बीना देवी, सकला देवी, प्रमिला संगीता, सरोजनी, शिब सिंह, आनंद सिंह, राजेंद्र सिंह, मान सिंह, भूपेंद्र नेगी और पंकज आदि शामिल रहे।

चन्द्रयान-3 की सफल लैडिंग पर बार एसोसिएशन ने जताई खुशी

श्रीनगर गढ़वाल। चन्द्रयान-3 के चन्द्रमा पर सफलता पूर्वक लैंडिंग पर बार एसोसिएशन श्रीनगर ने खुशी जाहिर की है। इस बार कौंसिल उत्तराखण्ड के सदस्य एडवोकेट अर्जुन सिंह भण्डारी एवं बार एसोसिशन श्रीनगर के संरक्षक एडवोकेट अनूप पांथरी ने चन्द्रयान-3 के सफल सॉफ्ट लैंडिंग करने पर इसरो चीफ डा. सोमनाथ एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। अनूप श्री पांथरी ने कहा कि सफलतापूर्वक लैंडिंग देशवासियों के लिए गौरव का पल है। खुशी जताने वालों में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेश चन्द्र जोशी, पूर्व अध्यक्ष दीपक भण्डारी, सचिव ब्रह्मानंद भट्ट, पूर्व सचिव विकास पंत, एडवोकेट प्रदीप मैठाणी, बलवीर सिंह रौतेला, सुबोध भट्ट, देवी प्रसाद खरे, विवेक जोशी, विकास कठैत आदि शामिल थे।

एसएसपी ने लंबित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए

नई टिहरी। एसएसपी ने मासिक अपराध समीक्षा की बैठक लेते हुये पुलिस अधिकारियों को लंबित मामलों के तत्काल निस्तारण के निर्देश दिये। कहा जो थानाध्यक्ष कार्यों में लापवाही बरतेगा उनके खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। नई टिहरी पुलिस दफ्तर में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत भुल्लर ने मासिक अपराध समीक्षा की बैठक दौरान पुलिस अधिकारियों और विभिन्न थानाध्यक्षों को जिले घटित अपराधों की समीक्षा करते हुये आवश्यक निर्देश दिये। एसएसपी ने धोखाधड़ी के मुकदमों में वांछित अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी करने, सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के तत्काल समाधान के निर्देश दिये। एसएसपी गुमशुदा बच्चों और महिलाओं की तलाशी हेतु थाना स्तर पर टीमों का गठित कर गुमशुद की सुरक्षित घर वापसी, मादक पदार्थों की बिक्री करने वालों को पकड़ कर एनडीपीएस ऐक्ट के तहत कार्यवाही के निर्देश दिये। कहा बारसात के कारण वर्तमान समय में आपदा की संभावना बनी हुई है, समस्त थाना एंव चौकी प्रभारी आपदा उपकरणों के साथ राहत बचाव कार्यों हेतु हर समय तैयार रहें। एसएसपी ने लंबित विवेचनाओं, जांचों, शिकायती प्रार्थना पत्रों के त्वरित निस्तारण, एमवी ऐक्ट आदि के तहत चालन की कार्यवाही बढ़ाने के निर्देश भी दिये। बैठक में एएसपी जेआर जोशी, सीओ सीओ सुरेंद्र प्रसाद बलूनी, आसिन जोशी, संजय मिश्रा सहित विभिन्न थानाप्रभारी मौजूद थे।

डीएम से समस्याओं के निराकरण की गुहार लगाई

टिहरी। नरेन्द्रनगर क्षेत्र के दोगी पट्टी के कई गांव के ग्रामीणों ने डीएम के समक्ष अपनी विभिन्न समस्याओं को रखी। ग्रामीण ने डीएम से समस्याओं को निस्तारण की गुहार लगाई है। कहा समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो ग्रामीण आंदोलन के लिये बाध्य होंगे। नरेन्द्रनगर विधानसभा के दुरस्त दोगी पट्टी स्थित लोडसी, बडल बवाणी, तिमली, शिवपुरी, गुलर आदि गांव के ग्रामीण शुक्रवार को नई टिहरी पहुंचे, ग्रामीणों अपनी विभिन्न समस्याओं से संबधिंत मांग पत्र डीएम को सौंपा। तिमली पूर्व ग्राम प्रधान चतर सिंह भंडारी ने कहा कि तिमली गजा सडक़ मार्ग निर्माण के दौरान लोनिवि द्वारा गांव के ऊपर जगह जगह डंप किया गया मलबा बारिश से उनके घरों, खेतों और पैदल मार्ग में आने से नुकसान पहुंचा है। बडल बवाणी के ग्रामीण पूर्ण सिंह पुंडीर ने कहा कि रेलवे परियोजना के निर्माण से उनके घरों और खेतों में दरारें पड़ गई हैं, जिससे ग्रामीण जान जोखिम में डालकर घरों में रहने को मजबूर है। लोडसी गांव की महिला विमला रयाल ने कहा रेल परियोजना से ग्रामीणों के घरों में दरारें आने से कई ग्रामीण अपने घर छोडने के लिये मजबूर हैं। बताया ग्रामीण कही बार मांगों को लेकर क्षेत्र में धरना प्रदर्शन भी कर चुके लेकिन सुनवाई नहीं हो पा रही है।

चाँद पर मौजूद कचरों में शामिल है गेंद, चिमटा भाला, बाइबिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अगस्त , जगह-जगह कचरा फैलाना हम इंसानों की फितरत है। पृथ्वी पर कूड़े के बड़े-बड़े पहाड़ बन गए हैं, जो आपको हर शहर के बाहर आसानी से दिख जाएंगे। समुद्र भी कचरों से अछूते नहीं हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि अंतरिक्ष में भी कूड़ा-कचरा फैला है। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, अकेले सिर्फ चंद्रमा पर 200 टन का कचरा पहुंच चुका है। इसमें बड़ी-बड़ी मशीनें, हथियार, तौलिए, ब्रश, मूर्ति आदि सामान पड़े हुए हैं।

अब तक चंद्रमा पर 12 साइंटिस्ट पहुंचे

चंद्रमा पर अब तक 12 साइंटिस्ट पहुंच चुके हैं। अमेरिका के नील आर्मस्ट्रॉन्ग 1969 में अपोलो-11 मिशन के तहत चांद की सतह पर पहुंचे थे। नील पहले इंसान थे, जो चंद्रमा तक पहुंचे थे। इनके अलावा बज एल्ड्रिन नील आर्मस्ट्रॉन्ग, पेटे कॉनराड, एलन बीन, ऐलन शेपर्ड, एडगर मिशेल, डेविड स्कॉड, जेम्स इरविन, जॉन यंग, चार्ल्स ड्यूक, यूजीन सेरनन और हैरिसन स्मिथ भी चंद्रमा पर लैंड कर चुके हैं।

कबाड़ में क्या-क्या शामिल ?

अमेरिका के अपोलो मिशन पांच रॉकेटों के अवशेष चंद्रमा पर मौजूद है। ये सबसे अधिक भारी-भरकम है। रोबोटिक लैंडर, रोवर्स, लूना-9 का मलबा, मल-मूत्र, उल्टियों के पैकेट्स, दो गोल्फ गेंदें, भाला, बाइबिल, कैमरे, चिमटे, ड्रिल, तौलिए, ब्रश, टेंचिंग टूल आदि भी मौजूद हैं। कुल मिलाकर 200 टन का कचरा चंद्रमा के कई छोर पर फैला हुआ है।

चंद्रयान-3 के रोवर ने शुरू किया मून वॉक

भारत ने चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग कराकर अपनी धाक दुनिया में बढ़ाई है। यह मानवरहित विमान है। चंद्रमा पर वायु नहीं है। गुरुत्वाकर्षण भी बेहद कमजोर है। चंद्रयान-2 की असफलता से सीख लेते हुए इसरो के वैज्ञानिकों ने बुधवार की शाम 6:04 बजे लैंडर विक्रम की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग कराई। रोवर प्रज्ञान अपने वैज्ञानिक मिशन पर काम कर रहा है। उसने मून वॉक शुरू कर दिया है। रोवर 14 दिन तक चंद्रमा की सतह पर काम करेगा।

साभार - सो.मी.

बाजार में छाया चंद्रयान 3, राखी से लेकर पतंग की धूम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अगस्त , चंद्रयान 3 की लैंडिंग के बाद हर तरफ इसकी ही चर्चा है. आलम ये है कि अब लोकल मार्केट में भी चंद्रयान वाले प्रिंट के प्रोडक्ट की डिमांड बढ़ने लगी है. बाजार में चंद्रयान वाली राखी से लेकर जलेबी तक से कारोबारियों को काफी मुनाफा हो रहा है.

साभार - सो.मी.

चंद्रयान 3 की चांद पर लैंडिंग के साथ भारत ने दुनियाभर में इतिहास रच दिया है. लैंडिंग के बाद से देशवासियों के अंदर एक अलग ही क्रेज है चंद्रयान को लेकर. जिसके चलते अब लोकल कारोबारियों ने भी अपनी मार्केटिंग स्ट्रैटेजी तैयार कर ली है. लोगों के मूड को देखते हुए कारोबारियों ने चंद्रयान 3 से जुड़े प्रोडक्ट बाजार में उतार दिए. हालांकि, कारोबारियों की इस मार्केटिंग स्ट्रेटेजी का असर भी दिखने लगा है. रक्षाबंधन से पहले ही बाजारों में चंद्रयान वाली राखी की डिमांड बढ़ गई है. इसके अलावा मिठाई की दुकान पर भी चंद्रयान की जलेबी की काफी डिमांड बढ़ रही है. कारोबारियों की ट्रेंडिंग मार्केटिंग स्ट्रेटेजी से उनकी चांदी भी हो रही है. मिशन मून ने न सिर्फ चंद्रयान बनाने वाली कंपनियों की कमाई कराइ है बल्कि लोकल कारोबारियों की भी इससे खूब कमाई हो रही है.

रक्षाबंधन से पहले ही चंद्रयान 3 वाली राखियों का क्रेज मार्केट में बढ़ रहा है. छोटे बच्चों से लेकर बड़ों के लिए चंद्रयान वाली राखियों की डिमांड बाजार में है. चंद्रयान को लेकर बच्चे से बूढ़े के मन में अलग ही जोश था जिसको देखते हुए अब कारोबारियों ने चंद्रयान वाली राखियां, टीशर्ट, खिलौने, जलेबी, पतंग बाजार में उतार दिए हैं.

टीशर्ट से लेकर पतंग-जलेबी तक ट्रेंड से किसका नहीं फायदा होता है. इसी चंद्रयान के ट्रेंड को देखते हुए बाजार भी उसी रंग में रंग गया जिसमे लोग रंगे हुए हैं. मार्केट में चंद्रयान वाले पतंगों से लेकर पटाखे बिक रहे हैं. इसरो और चंद्रयान प्रिंट वाली टीशर्ट भी इस बीच डिमांड में है. वहीं, अगले साल आने वाली होली में भी लोगों को चंद्रयान वाली पिचकारियां मिल सकती हैं. इसरो के मिशन मून से देश की लोकल इकोनॉमी को बूस्ट मिल रहा है.

महाराज ने डीपीआरओ को निलंबित करने दिये आदेश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अगस्त , प्रदेश के पंचायतीराज एवं ग्रामीण निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने यूएसनगर के जिला पंचायतराज अधिकारी (डीपीआरओ) रमेश चंद्र त्रिपाठी को विजिलेंस टीम के द्वारा रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े जाने पर विभागीय उच्च अधिकारियों को तत्काल निलंबित कर मामले की जांच के आदेश दिये हैं। पंचायतीराज एवं ग्रामीण निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी करने वाले अधिकारी किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि उधमसिंह नगर के आरोपी डीपीआरओ रमेश चंद्र त्रिपाठी विजिलेंस टीम के द्वारा रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गये हैं। इसलिए उन्होंने विभागीय उच्च अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से उन्हें निलंबित कर मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं।

संक्षिप्त खबरें

प्रादेशिक सेना में निकली भर्ती

देहरादून। 127 प्रादेशिक सेना (टेरिटोरियल आर्मी) पर्यावरण बल, गढ़वाल राइफल्स में अक्तूबर से 12 अक्तूबर तक नए भर्ती की जाएगी। इसमें भूतपूर्व सैनिकों, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राज्य वन विभाग की भूतपूर्व महिला कर्मचारी हिस्सा ले सकेंगी। इस राज्य सैन्य बल के कर्नल रोहित श्रीवास्तव ने बताया कि योग्य अभ्यार्थी दस्तावेजों के साथ नौ अक्तूबर को सुबह छह बजे शारीरिक मापदण्ड परीक्षण और मेडिकल परीक्षण के लिए पहुंचे। भूतपूर्व सैनिको (उत्तराखण्ड के मूल निवासी) व पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राज्य वन विभाग के भूतपूर्व महिला कर्मचारी के लिये सिपाही जनरल ड्यूटी 106 पद, सिपाही रसोईया एक पद और सिपाही बढई एक पर भर्ती होगी। भूतपूर्व सैनिकों जो पेंशन पा रहे हैं भर्ती में शामिल होने के लिए रिटायर हुए 5 साल से ज्यादा नहीं होने चाहिए। जवान की नौकरी करने की अधिकतम आयु सीमा 50 वर्ष निर्धारित की गयी है। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राज्य वन विभाग की वही भूतपूर्व महिला कर्मचारी शामिल हो सकती है, जिन्होंने बीस साल की नौकरी पूरी की हुई हो।

दून अस्पताल में संविदा नर्सिंग अधिकारियों ने बांटी मिठाई

देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में संविदा एवं बेरोजगार नर्सिंग अधिकारियों ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया। उन्होंने कैबिनेट में सीएम पुष्कर सिंह धामी, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत द्वारा चिकित्सा शिक्षा विभाग में 1383 पदों को भी स्वास्थ्य विभाग की तरह वर्षवार पर फैसले के निर्णय का स्वागत किया। संघ की जिला अध्यक्ष वन्दना पांथरी, शैलेश राणा, अरविंद रावत, गणेश रांगड़, हिमांशु रावत, मनीषा, प्रियंका सकलानी, सूरज, आशीष रमोला, ऋचा राणा समेत अन्य एनएचएम, उपनल-संविदा पर तैनात नर्सिंग कर्मचारी मौजूद रहे।

एनएमओ उत्तराखंड की कांफ्रेंस एम्स ऋषिकेश में होगी, तैयारी तेज

देहरादून। उत्तराखंड में नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन की वार्षिक कांफ्रेंस फरवरी-2024 में एम्स ऋषिकेश में होगी। इसमें देशभर से मेडिकल एवं डेंटल कॉलेजों के छात्र-छात्राएं, शिक्षक और डॉक्टर प्रतिभाग करेंगे। इसकी तैयारियां तेज कर दी गई है। एनएमओ पदाधिकारियों की बैठक कर तैयारियों पर चर्चा की गई और उन्हें अंतिम रूम दिया गया। कांफ्रेंस में छात्रों, डॉक्टरों के कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष डॉ. आरके जैन, बाल आयोग अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना, डॉ. दत्ता ने अपने सुझाव दिए। इस दौरान उत्तराखंड अध्यक्ष डॉ. ओपी महाजन, उपाध्यक्ष डॉ. हिमांशु एरन, आयोजन सचिव डॉ. अभय कुमार और डॉ. विनोद कुमार, सह सचिव डॉ. प्रवीण मित्तल, कोषाध्यक्ष डॉ. वरुण, विद्यार्थी प्रमुख डॉ. योगेश्वरी कृष्णन, डॉ. एएन सिन्हा, डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. ज्योत्सना, डॉ. अवनीश, डॉ. सौरभ आदि मौजूद रहे।

अतिक्रमण की जद में आए दुकानदारों की समस्या होगी हल

पौड़ी। पौड़ी- श्रीनगर हाईवे के अतिक्रमण प्रभावित दुकानदारों ने नगर पालिकाध्यक्ष से मुलाकात की और दुकानों के लिए स्थान देने की गुहार लगाई। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि अतिकमण की जद में आए दुकानदों को लेकर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। पौड़ी-श्रीनगर हाइवे से करीब तीन दुकानें हटा दी गई है। पालिकाध्यक्ष पौड़ी यशपाल बेनाम ने कहा कि इन दुकान स्वामियों को निर्माणाधीन बस अड्डे में मॉल रोड पर कार पार्किंग के स्थान पर स्थापित किए जाने को लेकर सांसद गढ़वाल, विधायक, व्यापार संघ अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री की मौजूदगी में इस मुददे पर डीएम से वार्ता की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह स्थान लोनिवि के पास है, लिहाजा डीएम व संबंधित विभाग की अनुमति के बाद इस पर काम किया जा सकेगा। वहीं बस अड्डे पर निर्माणाधीन पुल को लेकर उठ रहे सवालों पर भी बेनाम ने कहा कि इस बाबत कार्यदायी संस्था लोनिवि की देखरेख मे यह पुल बन रहा है। इस पर तरह -तरह के सवाल उठाएं जा रहे हैं, वहीं लोनिवि अफसर इसमें किसी तरह की खामी नहीं बता रहे हैं। लोनिवि अफसरों ने इसका निरीक्षण भी किया है।

30 पदों के लिए 3 हजार से अधिक आवेदन

पौड़ी। जिले में होमगार्डस भर्ती के 30 पदों के लिए 3567 ने आवदेन किया है। जिसमें बड़ी संख्या में बीएससी और एमएससी पास महिलाएं भी शामिल हैं। 1 सितंबर से महिला अभ्यर्थियों की शारीरिक प्रक्रिया शुरू होगी। जिला कमांडेट होमगार्डस पौड़ी निर्मल जोशी ने बताया कि बीते 3 अगस्त को महिला होमगार्ड पदों के लिए भर्ती प्रकिया जारी की गई थी। जिसकी अंतिम तिथि 23 अगस्त रखी गई थी। बताया कि भर्ती प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में पौड़ी, टिहरी, उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर व ऊधमसिंहनगर जिले में भर्ती प्रक्रिया 1 सितंबर से शुरू होगी। चयन प्रक्रिया शारीरिक फिटनेस के साथ शुरू होगी। जिसमें दौड़, लंबी कूद, क्रिकेट बॉल थ्रो स्पर्धा आयोजित की जाएगी। अंतिम परिणाम 25 सितंबर को जारी किए जाएंगे।

एक सितंबर से होगी फिजिकल परीक्षा : इन 30 पदों के सापेक्ष सामान्य के 17, एससी के 6 जबकि ईडब्ल्यूएस व ओबीसी के 3-3 और एसटी का एक पद है। एक सितंबर से होमगार्ड के लिए फिजिकल परीक्षा शुरू हो जाएगी। ऐसे में माना जा रहा है कि इसमें कड़ी स्पर्धा होने वाली है। हालांकि विभाग द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

बढ़ती उम्र के साथ क्या आप भी खोने लगे हैं सूंघने की शक्ति ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अगस्त , स्मैल के जरिए हम अपने आसपास की चीजों से कनैक्ट हो पाते हैं। गंध से लेकर सुगंध तक हम अपने नाक के जरिए महसूस कर सकते हैं। हालांकि, बढ़ती उम्र के साथ कुछ लोग सूघने की क्षमता को खोने लगते हैं, जिसे अगर उम्र बढ़ने का कारण समझा जाए ये बिल्कुल गलत होगा। एक रिसर्च में खुलासा हुआ है कि जिन लोगों की स्मैल करने की ताकत कम होने लगती है, वो कई तरह की बीमारी के शिकार भी हो सकते हैं। सामने आई एक रिसर्च में पता चला है कि बुजुर्गों में स्मैल करने की शक्ति कम होनी शुरू हो जाती है, जो ब्रेन से जुड़ी बीमारियों की ओर संकेत करता है। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं कि कैसे स्मैल खोने की समस्या दिमागी स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है।

साभार - सो.मी.

हो सकते हैं डिप्रेशन का शिकार

आमतौर पर सर्दी-होने पर नाक पूरी तरह खुलती नहीं है, जिसका असर ब्रेन पर धीरे-धीरे होने लगता है। एक रिसर्च से इस बात का पता चला है कि हायपोस्मिया (यानि स्मैल न आने की समस्या) होती है। अगर आप काफी लंबे से इस समस्या से जूझ रहे हैं, तो उम्र बढ़ने के साथ आप डिप्रेशन का शिकार भी हो सकते हैं।

क्या कहती है बुजुर्गों के बारे में रिसर्च

स्मैल ठीक से अनुमान न लगा पाना अल्जाइमर रोग और पार्किंसंस रोग जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों की ओर संकेत हो सकता है। फेडरल गर्वनमेंट स्टडी के मुताबिक, 70 से लेकर 73 साल के ओल्डएज 2.125 पर रिसर्च की गई, जिसके तहत जब लोगों की स्मैल पावर को चेक किया गया, तो उसमें पाया गया कि 48 फीसदी लोगों को स्मैल की पॉब्लम से जूझना नहीं पड़ रहा था। वहीं, 28 फीसदी में स्मैल करने की सेंस कम पाई गई , जिसे हायपोस्मिया कहा जाता है। वहीं, 24 फीसदी में स्मैल सेंस न के बराबर पाई गई। वे लोग एनोस्मिया से पीड़ित थे।

कैसे असर करती है सूंघने की क्षमता

मनुष्य की स्मैल करने की क्षमता दो कैमिकल सेंसिज़ में से एक है। ये सेंसरी सेल्स के माध्यम से काम करता है। इन्हें आलफैक्टरी न्यूरॉन्स कहा जाता है। इसमें स्मैल रिसेप्टर मौजूद होता है। जिसकी मदद से आसपास के मॉलीक्यूल्स को पिक करता है। बाद में उन्हें इंटरप्रेट करने के लिए ब्रेन में रिले किया जाता है। स्मैल मॉलीक्यूल्स जितने हाई होते हैं,उतने ही तेज़ी से हमतक स्मैल तक पहुंचती है। स्मैल की कमी का असर हमारी हेल्थ और व्यवहार पर भी दिखने लगता है। इसके चलते खाने के स्वाद के साथ साथ न ही उसका आंनदले सकते हैं। अगर आप के साथ लगातार ये पॉब्लम बनी हुई है, तो ये डिप्रेशन का कारण बनने लगता है और इसके साथ अन्य कारण भी जुड़े होते हैं जैसे-

मेंटल हेल्थ पर असर करता है

यादाश्त पर इसका असर दिखने लगता है, आप बातें भूलने लगते हैं।जल्दी तनाव में आ जाते हैं और परेशान भी रहने लगते हैं।घुटन महसूस करने लगते हैं और कंसंट्रेशन भी कम हो जाती है।व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है।

योगी राज में क्रिमिनल्स का काल बनेगा त्रिनेत्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अगस्त , उत्तर प्रदेश में अपराधी जरा संभल जाएं, क्योंकि प्रदेश पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र लॉन्च कर दिया है। इस ऑपरेशन के तहत पूरे राज्य में प्रमुख मार्गों, होटलों, ढाबों, स्कूल, बैंक आदि पर करीब 3.5 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इससे अपराध और अपराधी दोनों पर लगाम लगेगी। डीजीपी विजय कुमार ने ऑपरेशन की सफलता के बारे में बताया है।

साभार - सो.मी.

इसलिए पकड़े गए अपराधी

डीजीपी विजय कुमार ने कहा कि ऑपरेशन 'त्रिनेत्र' के तहत अब तक हमने 3,50,000 कैमरे लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई अपराधी वारदात के बाद या वारदात से पहले कैमरे में कैद हो जाता है तो उसे पकड़ना काफी आसान हो जाता है। डीजीपी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में कई मामलों को 24-36 घंटों के भीतर सुलझा लिया गया, क्योंकि घटना कैमरे में कैद हो गई। इशके बाद पुलिस ने अतिरिक्त सर्विलांस की मदद से आरोपियों को गिरफ्तार किया।

3.5 लाख कैमरे नहीं, 3.5 लाख पीकेट कहेंगे

डीजीपी विजय कुमार ने कहा कि किसी पुलिस वाले की एक जगह पर 24 घंटे ड्यूटी नहीं लगाई जा सकती है। सिपाही आठ घंटे की ड्यूटी करेगा, लेकिन कैमरा 24 घंटे ड्यूटी करता है। डीजीपी ने कहा कि एक तरह से हम कह सकते हैं कि हमले 3.5 लाख कैमरे नहीं, बल्कि 3.5 लाख पीकेट लगाई हैं, जो 24 घंटे निगरानी करेंगे।

सीसीटीवी कैमरों से खुली इतनी घटनाएं

एक स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में बताया हया है कि इसी साल 10 जुलाई से लेकर 24 अगस्त यानी आज तक पूरे प्रदेश के करीब 1.90 लाख स्थानों पर 3.5 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में 52 डकैतियां, 17 हत्या के मामले, 12 किडनैपिंग केस समेत कई मामले सिर्फ सीसीटीवी कैमरों से ही खुले हैं।

ड्रग्स फ्री देवभूमि बनाने में जुटी एसएसपी अजय सिंह की टीम

■ शराब माफियाओं के विरुद्ध तावड़तोड़ कार्यवाही

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री उत्तराखंड के ₹ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025₹ अभियान को सार्थक बनाने हेतु एसएसपी हरिद्वार द्वारा दिए गए कड़े दिशा निर्देशों के क्रम में पुलिस टीम द्वारा ग्राम दिनारपुर के जंगलों में छापेमारी कर 02 अभियुक्तों को कच्ची शराब की कसीदगी करते हुए 100 लीटर कच्ची शराब व भट्टी उपकरणों के साथ दबोचा गया साथ ही मौके से लगभग 1000 लीटर लाहन नष्ट किया गया। इस मामले में अभियुक्त राजेंद्र और ओमपाल उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

प्रदीप अध्यक्ष और मुकेश सचिव बने

पौड़ी। ठेकेदार संघ लोनिवि बैंजरों की कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें प्रदीप सिंह नेगी को अध्यक्ष और मुकेश पोखरियाल को सचिव बनाया गया। रवींद्र सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में आयोजित बैठक बैठक में कई मुद्दों पर मंथन किया गया। इसके बाद रविन्द्र सिंह को उपाध्यक्ष, आलम सिंह रावत को सह सचिव, देवेंद्र सिंह को कोषाध्यक्ष, सुरेंद्र सिंह को संयोजक, राजेश सिंह को आडिटर बनाया गया। जबकि कुलदीप, जसवंत सिंह, धीरज सिंह, अरविन्द रावत आदि को सदस्य बनाया गया।

15 ग्रामसमूहों ने बीरोंखाल में लगाई प्रदर्शनी

पौड़ी। 15 ग्राम समूह की महिलाओं ने दीन दयाल राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन योजना के तहत मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना में शुक्रवार को बीरोंखाल में बाजार में समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा स्वयंम अपने संसाधनों से बनाया गया
अचार,मिर्च,मंडूवा,धूप,अगरबती,राखी की प्रदर्शनी लगाई। दीन दयाल राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन बीरोंखाल की एरिया कॉर्डिनेटर अनीता रावत ने बताया कि सरकार द्वारा महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए कई सरकारी योजना का संचालित कर रही हैं। जिससे बीरोंखाल ब्लाक की पंद्रह ग्राम महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा अपने संसाधनों से आवाला अचार, धूप, गहत, पफाड़ के पत्ते, राखी, कच्चे केले, लिंगोड़े, मिर्च की प्रदर्शनी लगा कर क्षेत्र के ग्रामीणों एंव जनप्रतिनिधियों ने खरीदारी कर महिलाओं का आभार जता कर उन्हें बधाई दी हैं। रावत ने बताया कि बीरोंखाल ब्लाक में पांच सौ से अधिक महिला स्वयं सहायता समूह बनाए हुए हैं। इस अवसर पर शांती नेगी, अनीता रावत, रेखा ध्यानी, पूनम ढौडियाल, बैंक सखी मीना चंद, ललिता रावत, लक्ष्मी देवी आदि थे।

बेरोजगार संघ के अध्यक्ष को गिरफ्तार करने पर जताया आक्रोश

पौड़ी। पौड़ी बचाओ संघर्ष समिति ने बेरोजगार संघ के प्रदेश अध्यक्ष बॉबी पंवार की गिरफ्तारी पर आक्रोश जताया है। समिति के संयोजक नमन चंदोला ने गिरफ्तारी को भ्रष्टाचार के खिलाफ उठने वाली आवाज को सरकार द्वारा दबाए जाने का परिणाम बताया। कहा भ्रष्टाचार के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को सरकार दबाने का काम कर रही है। बागेश्वर में बागनाथ मंदिर में दर्शन करने को जा रहे बॉबी पंवार को गिरफ्तार किया गया है। बॉबी की गिरफ्तारी से स्पष्ट है कि बागेश्वर उपचुनाव को लेकर सरकार में डर का माहौल है। सरकार लगातार जनमुद्दों से भाग रही है।

लंगासू में शराब की दुकान का विरोध

चमोली। विकासखंड के लंगासू में प्रस्तावित अंग्रेजी शराब की दुकान के विरोध में स्थानीय महिला मंगल दल और ग्रामीणों ने विरोध जताया है। ग्रामीणों ने दुकान की प्रस्तावित जगह पर धरना देते हए शराब की दुकान के आवंटन को निरस्त करने की मांग की है। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता टीका प्रसाद मैखुरी और महिला मंगल दल अध्यक्ष आशा गोस्वामी ने कहा कि विभाग ग्रामीणों की धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहा है। कहा कि लंगासू में मां चंडिका मंदिर के महज 150 मीटर की दूरी पर शराब की दुकान खोलने से यहां माहौल खराब होगा। महिलाओं ने कहा कि जब तक प्रशासन यहां से शराक की दुकान नहीं हटाता तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मामले में जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर कार्रवाई करने की मांग की। ज्ञापन में ग्राम प्रधान बीना देवी, टीका प्रसाद मैखुरी, विनोद कंडारी, मनीष कुमार, प्रदीप सती, रोहित, कमल सिंह आदि के हस्ताक्षर हैं।

आपदा से निपटने के लिए थराली को मिले विशेष पैकेज

चमोली। थराली के पूर्व विधायक डॉ. जीतराम ने थराली विधानसभा को आपदाग्रस्त क्षेत्र घोषित करते हुए आपदा से निपटने के लिए विधानसभा को विशेष पैकेज दिए जाने की मांग की है। शुक्रवार को थराली के पूर्व विधायक डॉ. जीतराम ने थराली विधानसभा में आपदाग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया तथा प्रभावितों से मिले। जीतराम ने प्रभावितो को कहा कि कांग्रेस पार्टी हर कदम पर प्रभावितों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और उनकी हर संभव मदद के लिए तैयार है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान डॉ. जीतराम ने कहा कि थराली विस को आपदा से निपटने के लिए विशेष पैकेज दिए जाने की मांग करेंगे। प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए जीतराम ने कहा कि सरकार चुनाव में व्यस्त है लेकिन आपदा में प्रभावित लोगों की मदद के लिए सरकार के लोग और मंत्री विधायक कोई भी नहीं पहुंच पाए हैं।

एसजीआरआर विश्वविद्यालय पहुंचे 50 नामचीन कंपनियों के HR और CEO

श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय एच.आर. समिट का शुभारंभ

- श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय एच.आर. समिट का शुभारंभ
- विप्रो, टीसीएस, सुदरम फाइनेन्स , बायजूस, अपोलो हॉस्पिटल, पंतजलि, सहित 50 नामचीन कंपनियों के एचआर व सीईओ रहे मौजूद
- छात्र-छात्राएं भविष्य के राष्ट्र निर्माता हैं: कुलपति

न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अगस्त , श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय की प्लेसमेंट सेल के द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय एच आर समिट 2023 का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित नेशनल समिट में देश की नामचीन कंपनियों, प्रतिष्ठानों, उद्योगों और व्यापार जगत के सीईओ और एच.आर. विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। नई दिल्ली, चण्डीगढ़, नोएड़ा, गुड़गांव, पूना सहित देश के विभिन्न राज्यों से एच आर विशेषज्ञ नेशनल समिट में प्रतिभाग करने के लिए पहुंचे। उत्तराखंड सरकार के सेवायोजन कार्यालय के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल हुए। देश भर की नामचीन कंपनियों के पेशेवर एचआर विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को बाजार की मांग के अनुरूप तैयार होने के टिप्स दिए। उन्होंने इंडस्ट्री व बाजार की मांग के अनुरूप रुझानों और प्रभावी नेतृत्व के सर्वोत्कृष्ट गुणों पर प्रकाश डालते हुए अपने अनुभव सांझा किए।

श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के पटेल नगर कैंपस में आयोजित इस सम्मेलन का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड सरकार के कौशल विकास मिशन एवं सेवायोजन विभाग के सलाहकार जितेंद्र मुदलियार विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड सेवायोजन कार्यालय के विशेषाधिकारी अजय सिंह, फिक्की फ्लो की चेयरपर्सन डॉ अनुराधा मल्ला श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अजय कुमार खण्डूड़ी, को-ओर्डिनेटर डॉ आर.पी.सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन के साथ किया।

एसजीआरआर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रीमहंत देवेंद्र दास जी महाराज ने आयोजकों को शुभकामनाएं दीं और साथ ही छात्रों को ऐसे रोजगारपरक सम्मेलनों में बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर यशबीर दीवान ने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों के हित के लिए सदैव तत्पर रहा है। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं भविष्य के के राष्ट्र निर्माता हैं। उन्हें अपने भावी भविष्य के लिए अपने वर्तमान को संवारने की अधिक आवश्यकता है ।वर्तमान में किया गया प्रयत्न ही उज्जवल भविष्य की नींव रखता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अजय कुमार खंडूरी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों को किताबी ज्ञान तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि कुछ नए आविष्कार नई रचनाएं और विचार समाज को प्रेरित कर सकें, ऐसे प्रयास हमेशा जारी रखने चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा का परिणाम ही जीवन में सफलता नहीं देता है बल्कि आपका ज्ञान और आपका कौशल ही आपको पहचान दिलाएगा। विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ आर पी सिंह ने कहा कि बेरोजगारी गलत अवधारणा है बुनियादी शिक्षा और मूलभूत शिक्षा पर ध्यान देकर बेरोजगारी को जड़ से समाप्त किया जा सकता है।

उत्तराखंड सेवायोजन कार्यालय के विशेषाधिकारी अजय सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए सेवायोजन कार्यालय की कार्यप्रणाली और उत्तरदायित्व से अवगत करवाया। साथ ही छात्रों को कार्यालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं और समय-समय पर होने वाले प्लेसमेंट की जानकारी दी। उत्तराखंड सरकार के कौशल विकास मिशन एवं सेवायोजन विभाग के सलाहकार जितेंद्र मुदलियार ने छात्रों को उद्योग जगत की मांग के हिसाब से अपने कौशल को बढ़ाने की सलाह दी। उन्होंने छात्रों से उनके तकनीकी ज्ञान को बढ़ाने का भी आग्रह किया, और नौकरी ढूंढने के बजाय स्वरोजगार को अपनाने के लिए प्रेरित करने के साथ ही भारत सरकार द्वारा चलाई जाने वाली स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी।इस अवसर पर फिक्की फ्लो की चेयरपर्सन डॉ अनुराधा मल्ला ने छात्रों को साक्षात्कार के दौरान अपनाए जाने वाली तकनीक के विषय में जानकारी दी। इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ मनीषा मैंदुली ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरे देश से 50 जानी-मानी कंपनियां के एच.आर. विशेषज्ञ और सीईओ समिट 2023 में आ रहे हैं। जहां श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के एक प्लेटफार्म पर विश्वविद्यालय के असंख्य छात्रों को साक्षात्कार के साथ ही कौशल विकास का ज्ञान अर्जन करने का भी मौका मिलेगाइस अवसर पर विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर मनोज तिवारी आई क्यू ए सी की निदेशक प्रोफेसर सुमन बिज के साथ ही डॉ दिव्या, डॉ कीर्ति, डॉ कपिल, डॉ दीपक सोम और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष और फैकल्टी के सदस्य मौजूद रहे। इन कंपनियों के प्रतिनिधियों ने किया प्रतिभाग विप्रो, टीसीएस, सुदरम फाइनेंस, बायजूस, अपोलो हॉस्पिटल, पंतजलि, ई-एशवा, एक्स्ट्रा माक्र्स, फ्रेंड कनेक्ट।

संपादकीय

ब्रिक्स में भारत बनाम चीन

दक्षिण अफ्रीका की राजधानी जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स देशों का शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ, जिसमें उसके विस्तार का सर्वसम्मत निर्णय लिया गया और सम्मेलन के इतर भारत के प्रधानमंत्री मोदी तथा चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की हल्की-सी, अनौपचारिक बातचीत हुई। मोदी-शी का शिष्टाचार से हाथ मिलाना और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर संवाद करना राजनयिक तौर पर महत्त्वपूर्ण है। पूर्वी लद्दाख की सीमा पर दोनों देशों के हजारों सैनिक एक लंबे अंतराल से तैनात हैं। यकीनन तनाव और टकराव की मुद्रा में ही होंगे! सैन्य स्तर पर 19वें दौर की बातचीत जारी है। ऐसे में भारत-चीन के शीर्ष नेतृत्व एलएसी के सम्मान की बात करें और सेनाओं की वापसी पर विचार के संकेत दें, तो बेशक तनाव कम हो सकता है, लेकिन ऐसा जमीन पर लागू नहीं किया गया है। चीन बेहद कुटिल और चालाक देश है। वह बार-बार सेनाओं की यथास्थिति की बात करता है। सेनाओं को कुछ पीछे करने की सांकेतिक कवायद भी करता है, लेकिन सैन्य मोर्चे दोनों ओर से सजे और डटे हैं। चीन के विस्तारवादी मंसूबे काम करते रहे हैं। भारत की जमीन पर अतिक्रमण और कब्जे के आरोप भी लगते रहे हैं, लेकिन दोनों देश निर्माण-कार्य करते रहे हैं। दरअसल भारत और चीन की गांठें खुलती क्यों नहीं हैं? चीन ने 1962 की लड़ाई के बाद भारत की करीब 40,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा किया था। उसकी चर्चा चीन क्यों नहीं करता? तमाम सीमा-विवाद कब खत्म होंगे? चीन हमारे अरुणाचल प्रदेश को भी अपना इलाका किस आधार पर मानता रहा है? अलग-अलग इलाकों में सैनिकों की हाथापाई और मार-काट तक की नौबत क्यों आती रही है? प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग अब ब्रिक्स के मंच पर मिले हैं, तो 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन के दौरान भी मुलाकात हो सकती है। कुछ विरोधाभास और बनाम की स्थिति ब्रिक्स में भी दिखाई दी है। चीन और रूस ब्रिक्स के विस्तार के पक्षधर थे, लेकिन भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका फिलहाल मंथन करना चाहते थे। दुनिया के 22 देशों ने ब्रिक्स की सदस्यता के लिए आवेदन किए थे, लेकिन अंततः 6 देशों-अर्जेन्टीना, इरान, मिस्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इथियोपिया-को ही फिलहाल ब्रिक्स का हिस्सा बनाना तय किया गया है। वे जनवरी 1, 2024 से ब्रिक्स के सदस्य होंगे। चीन पाकिस्तान को ब्रिक्स का सदस्य बनाने में कामयाब नहीं हो पाया। सभी देश उसके मंसूबों को जानते हैं कि चीन ने सुरक्षा परिषद में 'वीटो' का दुरुपयोग कर किस तरह पाकपरस्त आतंकियों को बचाया था। चर्चा यह भी जारी थी कि ब्रिक्स देशों की साझा मुद्रा होनी चाहिए, लेकिन साझा बयान खुलासा करता है कि ब्रिक्स देश अपनी ही राष्ट्रीय मुद्रा में सदस्य देशों के साथ कारोबार कर सकेंगे। दरअसल ब्रिक्स ऐसा वैश्विक मंच बन गया है, जिसकी चर्चा जी-7 देशों के समूह के समानांतर हो रही है, लेकिन भारत और चीन जैसे ताकतवर देशों के बीच विवाद और तनाव बरकरार रहेंगे, तो ब्रिक्स की एकता पर भी सवाल उठते रहेंगे। चीन के अतिक्रमण और कब्जों को लेकर भारत में बड़ी आक्रामक और बेबुनियाद सियासत भी होती रही है। दोनों देशों के शीर्ष नेता मुलाकातें करते हैं और बातचीत भी करते हैं, लेकिन फिर भी चीन भारत का 'दुश्मन देश' करार दिया जाता रहा है। चीन की नीयत और नीति का सवाल है। विवाद सनातन नहीं हैं, कब्जे हैं। एक ओर ब्रिक्स के सदस्य देश इसे विकासशील देशों का वैश्विक मंच बनाना चाहते हैं, जहां वे कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर अपनी आर्थिक चिंताओं और अन्य सरोकारों को संबोधित कर सकें, तो दूसरी तरफ भारत बनाम चीन के हालात और समीकरण हैं, तो फिर ब्रिक्स विश्व-व्यवस्था को बदलने में समर्थ कैसे हो सकेगा? दरअसल भारत में लोकतंत्र है और चीन में तानाशाही-सी है, लिहाजा सोचने और फैसलों को अंजाम देने का बुनियादी फर्क भी है। बहरहाल मोदी-शी हाथ भी मिलाते रहें, शिष्टाचार को भी निभाएं, लेकिन द्विपक्षीय रिश्तों पर भी गंभीरता से विचार करें, तभी ऐसी मुलाकातें सार्थक होंगी। ब्रिक्स भी तभी सफल होगा, जब द्विपक्षीय विवादों को किनारे रख दिया जाएगा।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

उत्तराखंड का पहला ड्रोन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस डीआईटी में हुआ लॉन्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अगस्त , डीआईटी विश्वविद्यालय ने उत्तराखंड का पहला ड्रोन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ किया। आईआईआरएस देहरादून के निदेशक डॉ. आरपी सिंह ने केंद्र का उद्घाटन किया। राज्य में ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक केंद्र स्थापित करने का बीड़ा उठाने के लिए डीआईटी विश्वविद्यालय को बधाई देते हुए डॉ. सिंह ने आशा व्यक्त की कि यह केंद्र छात्रों को प्रशिक्षित करेगा और इस रोमांचक क्षेत्र में अनुसंधान करेगा। उन्होंने आगे कहा कि चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर लैंडिंग की सफलता के बाद अब आकाश कोई सीमा नहीं है, केवल हमारी कल्पना ही संभावनाएं सीमित करेगी। उद्घाटन के बाद, छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने उनसे इस केंद्र का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए कहा और उन्हें आईआईआरएस और इसरो में अवसर तलाशने के लिए भी आमंत्रित किया। डीआईटी यूनिवर्सिटी ने इस उद्यम में उद्योग भागीदार के रूप में पुणे स्थित कंपनी 'बेरी एवियोनिक्स' को चुना है।

इस अवसर पर बोलते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जी रघुरामा ने बताया कि ड्रोन प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने वाला डीआईटी उत्तराखंड का पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने कहा कि केंद्र मानव शक्ति प्रशिक्षण, विनिर्माण, मरम्मत और रखरखाव में स्टार्टअप का समर्थन करने और उन्नत अनुसंधान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने ड्रोन को बढ़ावा देने और उपयोग के लिए राज्य नीति तैयार करने में उत्तराखंड सरकार द्वारा की गई पहल की भी सराहना की और कहा कि डीआईटी विश्वविद्यालय नीति में परिकल्पित राज्य के विकास में योगदान देने के लिए तत्पर है। प्रोफेसर देबोपम आचार्य, डीन ने आपदा प्रबंधन, भौगोलिक मानचित्रण, पर्यावरण संवेदन और मॉडलिंग, प्रक्षेपवक्र पीढ़ी मॉडल और बाधा निवारण और नेविगेशन के क्षेत्रों में नियोजित अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी डीन, विभागाध्यक्ष, प्रमुख शिक्षक और छात्र उपस्थित थे।

एनएच लोनिवि व प्रशासन टीम ने उफल्डा में नौ अतिक्रमण किए ध्वस्त

श्रीनगर गढ़वाल। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर उफल्डा में एनएच लोनिवि व प्रशासन की टीम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर नौ अतिक्रमण ध्वस्त किए। इस दौरान प्रशासन को लोगों के भारी विरोध का सामना भी करना पड़ा। मौके पर नजूल भूमि पर बने आवासीय भवनों को बुलडोजर से तोड़ा गया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद रहा। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के सहायक अभियंता अखिलेश कुमार ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेशानुसार अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया शुक्रवार को उफल्डा में अतिक्रमण किए हुए 9 मकानों का धवस्तीकरण किया गया है। जबकि एक टिन शैड के नीचे वाहन खड़ा होने के चलते कार्यवाही नहीं हो पाई है। कहा कि शनिवार को भी उफल्डा से उस अतिक्रमण को हटवा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक हफ्ते पहले अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया गया था। जिसके बाद ही एनएच प्रशासन ने कार्यवाही की है। कहा स्वीत से लेकर चमधार तक 23 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। जिनको एक हफ्ते के भीतर अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी किया गया है। कहा देवप्रयाग से लेकर कीर्तिनगर तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए 23 अतिक्रमणों को हटवाया गया है।

सीएम धामी के अतिक्रमण हटाओ अभियान ने पकड़ी रफ़्तार तीन एकड़ प्रति घंटे की दर से हटाया जा रहा है अतिक्रमण

तीसरे दिन अभियान में अकेले वेस्टर्न सर्किल का 77 हैक्टेयर जंगल कब्जा मुक्त

- शिवालिक वृत ने किया 11 हैक्टेयर जंगल अतिक्रमण मुक्त
- तीन दिन में कुल 222 एकड़ जंगल अतिक्रमण मुक्त किया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,25 अगस्त। उत्तराखंड के जंगलों से अवैध कब्जेदारी मुक्त करने के अभियान में आज हल्द्वानी स्थित वेस्टर्न सर्किल के अंतर्गत हल्द्वानी, रामनगर,तराई फॉरेस्ट के तीन डिविजन क्षेत्र से आज 223 वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराते हुए वन अधिकारियों ने अतिक्रमण करने वालो को जंगल से खदेड़ दिया।

युद्ध स्तर पर चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान पर वन विभाग के प्रमुख वन संरक्षक हॉफ अनूप मलिक खुद मॉनिटरिंग कर रहे है। वे हर सर्किल की रिपोर्ट की समीक्षा कर रहे है।वन भूमि से अतिक्रमण हटाओ अभियान के नोडल अधिकारी डॉ पराग मधुकर धकाते ने बताया कि सीएम उत्तराखंड के निर्देश पर चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान में पिछले तीन दिन में सैटेलाइट साक्ष्यों के आधार पर अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान चल रहा है।

उन्होंने बताया कि करीब हर घंटे 3 एकड़ जंगल को अतिक्रमण मुक्त किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि राजाजी टाइगर रिजर्व से भी एक हैक्टर जंगल की जमीन खाली करवाई गई है ।केदारनाथ वन प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग 109 के मध्य दुग्तम तोक वन पंचायत मरोडा (दिवालीखाल) में अतिक्रमण का प्रयास कर ढाबा निर्माण किया जा रहा था जिसे तत्काल लोहवा वन क्षेत्र गैरसैण के वन कर्मियों के द्वारा हटाकर कर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कर दिया गया है।इसके अतिरिक्त गढ़वाल वन प्रभाग के दिवा रेंज में वन भूमि पर स्थित 10 दुकानें भी हटायें गये हैं ।

अब जेनेरिक के अलावा दूसरी दवाइयां भी लिख सकेंगे डॉक्टर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अगस्त , नेशनल मेडिकल कमीशन (NMC) ने बड़ा यूटर्न लेते हुए अपने ही फैसले को पलट दिया है। एनएमसी ने अपने पुराने फैसले को टालते हुए साफ किया है कि डॉक्टर्स अब जेनेरिक दवाइयों के अलावे दूसरी दवाई भी मरीजों के प्रिस्किप्सन पर लिख सकते हैं। इससे पहले नेशनल मेडिकल कमीशन ने फरमान जारी करते हुए कहा था कि सभी डॉक्टरों को मरीजों की पर्ची पर जेनेरिक दवाइयां लिखना अनिवार्य होगा और जो डॉक्टर ऐसा नहीं करते हैं उनके प्रेक्टिस लाइसेंस को रद्द कर दिया जाएगा।

एनएमसी (NMC) के इस फरमान पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) और इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस (IPA) ने चिंता जताते हुए विरोध किया। इन लोगों का कहना है कि जेनेरिक दवाइयों की क्वालिटी को लेकर अनिश्चित्ता बन रही है, ऐसे में नेशनल

मेडिकल कमीशन का सिर्फ जेनेरिक दवाई लिखने का आदेश नहीं है। इस सिलसिले में इस संबंध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस के स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया से भी मुलाकात की थी। इन लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री से मामले में दखल देने और एनएमसी अपने फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की थी।

आपको बता दें कि देश जनेरिक दवाइयों के इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है। यह किसी भी ब्रांडेड मेडिसन की तुलना में 30 से 80 फीसदी तक सस्ता होता है। ऐसे में लोगों के स्वास्थ्य पर होने वाले खर्चे में कमी आएगी। क्योंकि देश में लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा दवाइयों पर खर्च हो रहा है। एनएमसी का मानना है कि ऐसे में अगर डॉक्टर मरीजों के पर्चे पर सिर्फ जेनेरिक दवाओं के नाम लिखते है तो लेकर इससे खरीदने को लेकर प्रेरित होंगे और स्वास्थ्य खासकर दवाइयों पर होने वाले खर्चे में कमी आएगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल का कहना है कि केंद्र सरकार ने अस्पतालों, स्वास्थ्य योजना कल्याण केंद्रों और पॉलीक्लिनिक के डॉक्टरों से जेनेरिक दवाई लिखने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद भी रेजिडेंट और एक्सपर्ट्स डॉक्टर मरीजों के प्रिस्क्रिप्शन पर सिर्फ ब्रांडेड दवाइओं के नाम लिख रहे हैं। जो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगा।

सावधान फोन कवर में नोट मतलब ज़िंदा बम का खतरा !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अगस्त , अक्सर आपने देखा होगा कि लोग पैसे रखने के लिए मोबाइल कवर का सहारा लेते हैं. हमें लगता है कि यहां नोट सेफ रहेगा और जब जरूरत पड़ेगी तो आसानी से कवर से निकालकर दे देंगे. लेकिन यह आदत खतरनाक साबित हो सकती है. इससे आपकी जान भी जा सकती है. जी हां, आपने सही सुना, फोन कवर में नोट रखने से आग लगने के चांसेस बढ़ जाते हैं.

हीट रिलीज़ नहीं हो पाती

फोन जब आप ज्यादा इस्तेमाल करते हैं तो आपने ध्यान दिया होगा कि वह गर्म हो जाता है. जैसे ही फोन गर्म होता है फोन का बैक साइड जलने लगता है. ऐसे में अगर आपने अपने फोन कवर के पीछे नोट रखा है तो फोन का हीट रिलीज़ नहीं हो पाता और इसकी वजह से वो ब्लास्ट हो सकता है. यही वजह है कि एक्सपर्ट्स कहते हैं कि फोन में ज्यादा टाइट कवर नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि इसकी वजह से भी फोन ब्लास्ट हो सकता है.

नोट रखने से चार्जिंग और नेटवर्क में आती है समस्या

जब फोन लगातार इस्तेमाल किया जाता है या फिर चार्जिंग पर लगा होता है उस समय हीटिंग समस्या बढ़ जाती है. कवर के पीछे नोट रखे होने की वजह से इसे ठंडा होने पर भी काफी समय लगता है. और यही वजह से ही हमारा फोन ओवरहीट होने की वजह से ब्लास्ट कर जाता है.स्मार्टफोन के बैक कवर पर रखे नोट सिर्फ हीटिंग का ही कारण नहीं बनते बल्कि इसकी वजह से कई बार फोन में नेटवर्क की समस्या भी आन लगती है. दरअसल ज्यादा तर स्मार्टफोन के बैक पैनल पर नेटवर्क के लिए एंडिया दिया जाता है और नोट रखे होने के वजह से फोन पर प्रॉपर नेटवर्क नहीं आ पाता.